ICAR
भाकृअनुप

न्यूजलेटर

भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर

ISO 9001:2015 प्रमाणित संस्थान

अंक–23 अप्रैल–जून, 2021

विषय–सूची

- ❑ NARI प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन 2
- ❑ भाकृअनुप–अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन 2
- ❑ निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन 3
- ❑ राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021 3
- ❑ भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन 3
- ❑ भाकृअनुप की डिवीजनल मीटिंग 4
- ❑ भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिपेमा, नागालैंड का 33वाँ स्थापना दिवस समारोह 4
- ❑ विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन 4
- ❑ 'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार 5
- ❑ खरीफ की तैयारी के लिये आनलाइन कार्यशाला 5
- ❑ कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन 5
- ❑ वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये कार्यशाला 6
- ❑ संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार 6

सम्पादकीय

अप्रैल से जून 2021 की अवधि के दौरान कोविड–19 की दूसरी लहर चरम पर रही जिस कारण उत्तर प्रदेश में लाकडाउन लगाया गया एवं समस्त आवश्यक कार्य जैसे वित्त से संबंधित कार्य एवं कृषि एडवाइजरी पहुचाने संबंधित आदि कार्य सरकार की गाइडलाइन का पालन करते हुए सुचारू रूप से चलते रहें। इस अवधि में कोविड–19 को देखते हुए अधिकांश बैठक, कार्यशाला व प्रशिक्षण आदि आनलाइन माध्यम से आयोजित किये गये। अप्रैल माह में NARI परियोजना की समीक्षा कार्यशाला व संस्थान की प्रबंधन समिति की मीटिंग आनलाइन आयोजित की गई। मई माह में निकरा परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन हुआ एवं खरीफ की तैयारी की चर्चा के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021 में प्रतिभाग किया। जून में पर्यावरण दिवस के अवसर वेबिनार में प्रतिभाग, भाकृअनुप–अटारी कानपुर के कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा की गई तथा वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये भी कार्यशाला का आनलाइन आयोजन हुआ जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों को दिशा निर्देश दिये गये।

- अतर सिंह

NARI प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि 07–08 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा NARI (Nutri-Sensitive Agricultural Resources and Innovation) प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भाकृअनुप ने केवीके की प्रेजेन्टेशन देखी और सराहना की। उन्होंने कहा कि यह NARI प्रोजेक्ट महिला आधारित और पोषण आधारित प्रोजेक्ट है। शरीर में सही पोषक तत्व होने के लिये पैसा होना जरूरी नहीं बल्कि जागरुक होना जरूरी है। महिलाओं को महिला केन्द्रित कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी जाये। स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जो वातावरण बदलने से भी काफी प्रभावित होता है। एक न्यूट्रीगार्डन हर केवीके में होना चाहिए।

भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने कहा कि कुपोषण को दूर करने के लिये यह महत्वपूर्ण परियोजना है। केवीके नवीन तकनीकी के अनुरूप प्रदर्शन लगायें और स्थानीय महिलाओं को पोषण वाटिका में उगाये गये उत्पादों की जानकारी दें। कार्यशाला में प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्रों के 100 से अधिक अध्यक्ष एवं गृह वैज्ञानिक आनलाइन कार्यशाला में जुड़ें।

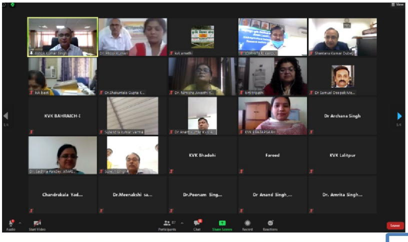

भाकृअनुप–अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन

दि 16 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन तृतीय कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी की मीटिंग का आनलाइन आयोजन किया गया जिसमें भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने अध्यक्षता की, प्रधान वैज्ञानिकगण सदस्यों, मा0 मंत्री जी द्वारा नामित किसान सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकगण, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं भारतीय दलहन अनु. संस्थान से सहा. वित्त एवं लेखा अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में निदेशक ने सभी का स्वागत किया एवं उपस्थित सदस्यगणों को अटारी के कार्यो और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं प्रगति प्रतिवेदन 2020 एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 6 हजार से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा 28 हजार से अधिक किसान एवं युवा लाभान्वित हुए।

भाकृअनुप–अटारी के निदेशक ने गैर सरकारी नामित सदस्य डा. रमाकान्त शर्मा जी एवं श्री बलराम सिंह कछवाहा जी, अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक एवं भाकृअनुप संस्थानों से नामित सदस्यगण डा. एस.एन. सिंह, डा. राजेश कुमार, डा. शिव धर, डा. राजीव कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन

दि 28 मई 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन–III कानपुर में निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) ने बताया कि निकरा प्रोजेक्ट जब प्रारम्भ हुआ था तो जोन–III में उत्तराखण्ड भी शामिल था। वहां भी मृदा एवं जल से संबंधित समस्याएं थीं। निकरा प्रोजेक्ट एक काफी सफल प्रोजेक्ट रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र अच्छे से कार्य कर रहे हैं परन्तु इसे और भी बेहतर बनाने की आवश्यकता है। अटारी एवं क्रीडा के सहयोग से केवीके द्वारा किये जा रहे कार्यों को और बेहतर बनाया जाये। प्रत्येक निकरा केवीके में सीड बैंक और फौडर बैंक होने की टर्मिनोलोजी को बदला जाने की आवश्यकता है। निदेशक अटारी कानपुर ने विभिन्न तकनीकी किस्मों का परिणाम एवं समस्याग्रस्त 13 जिलों के बारे में संक्षिप्त वर्णन किया।

कार्यशाला में अध्यक्ष डा. ए.के. सिंह–उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) भाकृअनुप थे, कार्यशाला के आयोजक डा. अतर सिंह–निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर, मुख्य अतिथि डा. विनोद कुमार सिंह–निदेशक भाकृअनुप–क्रीडा हैदाराबाद, सम्मानीय अतिथि डा. ए.के. मेहता से.नि. सहायक महानिदेशक एवं चेयरमैन जेड. एम.सी. एवं अतिथि डा. जे.वी.एन.एस. प्रसाद रहे।

राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021

दि 31 मई 2021 खरीफ की तैयारी की चर्चा के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजन किया गया। गोष्ठी में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने भी प्रतिभाग किया।

गोष्ठी में माननीय कृषि मंत्री उ0प्र0 शासन श्री सूर्यप्रताप शाही जी ने कहा कि जो क्रय केन्द्र बन्द हो गये हैं वे चालू कर दिये जायेंगे।

गोष्ठी में सबसे पहले कृषि निदेशक डा. ए.पी. श्रीवास्तव ने बताया कि हरी खाद का बढ़ावा दिया जा रहा है, एफ.पी.ओ. के माध्यम से समूहिक खेती को प्रोत्साहित करेंगे। जलसंरक्षण को अभियान के रूप में चलाकर भूगर्भ जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले वर्ष में भी खरीफ का उत्पादन काफी अच्छा था इस बार भी किसानों की आय वृद्धि हो इसके लिय पूरे प्रयास किये जा रहे हैं।

संचाई की व्यवस्था हेतु विद्युत–आपूर्ति की विशेष व्यवस्था की जा रही है। बरेली में केले की खेती को बढ़ावा दिया जाए।

गोष्ठी में माननीय कृषि मंत्री उ0प्र0 शासन, माननीय कृषि राज्य मंत्री उ0प्र0 शासन, उ0प्र0 के जिलों के कमिश्नर, जिलाधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि से जुड़े संस्थान एवं प्रगतिशील किसान गोष्ठी में सम्मिलित रहे।

भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन

दि. 31 मई 2021 को अटारी निदेशक द्वारा भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' में आनलाइन प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथी श्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं पंचायती राज मंत्री ने भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन किया गया।

श्री तोमर ने इस अवसर पर कहा कि देश के सुदूर किसानों तक वैज्ञानिक पद्धतियों व नवाचारों को पहुँचाने तथा उसका विस्तार करने में भा.कृ.अनु.प. तथा उससे संबंधित अनुसंधान–संस्थान, विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) ने बताया कि नवीन प्रौद्योगिकी समाधानों के माध्यम से महिलाओं के अनुकूल उपकरणों का विकास एवं संवर्धन और हितधारकों के साथ सही सहयोग कृषि की उत्पादकता व लाभप्रदता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाकृअनुप की डिवीजनल मीटिंग

दिनांक 31 मई 2021 को डिवीजन आफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) की अध्यक्षता में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में डॉ रणधीर सिंह, सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार), भाकृअनुप–अटारी निदेशक और उनके अधिकारी और डिवीजन के वैज्ञानिक उपस्थित थे।

इस बैठक में किसान डेटाबेस के निर्माण के बारे में विशेष बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया।एफपीओ के बारे में दिशानिर्देशों का भी पालन करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से केवीके को बागवानी विषय पर ध्यान देने की जरूरत है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए सब्जी, फल, औषधीय पौधे, कृषि वानिकी को अलग से शामिल करके कवर किया जाना चाहिए। एमएसएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक है।

भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिपेमा, नागालैंड का 33वाँ स्थापना दिवस समारोह

2 जून, 2021, को अटारी निदेशक द्वारा भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिपेमा, नागालैंड के 33वें स्थापना दिवस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महानिदेशक (पशु विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, डॉ भूपेंद्र नाथ त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। उन्होंने पिछली जनगणना की तुलना में मिथुन आबादी में 30 प्रतिशत की वृद्धि के लिए आईसीएआर–एनआरसीएम के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को लाभान्वित करने वाली प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए संपूर्ण आईसीएआर–एनआरसीएम की कड़ी मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि मिथुन उत्पादन जैविक होने के कारण विभिन्न प्रकार के रोगजनकों और परजीवियों से संक्रमित हुए बिना जंगलों में पनपने की उल्लेखनीय क्षमता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन

दिनांक 04 जून 2021 को 5 जून 2021–विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के माध्यम से किया गया।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि प्रकृति के संदेशों को महसूस करना होगा। प्रकृति के असंतुलन से आये दिन विभिन्न चक्रवात आदि आ रहे हैं। नई–नई बीमारियां बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू और अब कोरोना वाइरस आया है। विभिन्न बीमारियों से बचने के लिये प्रकृतिक जड़ी बूटिया जैसे अदरक, हल्दी आदि ही हमारे काम आ रही हैं। हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिये योगदान कर सकता है।

वेबिनार में डा. ए.अरुणाचलम, निदेशक भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, प्रो. आर.पी. सिंह, प्रो. कुसुम अरुणाचलम, निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर एवं विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार

दि. 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र लखनऊ द्वारा आनलाइन गोष्ठी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र अमेठी द्वारा 'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। वेबिनार में डा. ए.डी. पाठक, निदेशक भाकृअनुप–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ ने अध्यक्षता की।

खरीफ की तैयारी के लिये आनलाइन कार्यशाला

दि. 5 जून 2021 को अटारी निदेशक डा. अतर सिंह की अध्यक्षता में खरीफ की तैयारी के लिये निदेशक प्रसार समस्त राज्य कृषि विवि. और कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ आनलाइन कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें उनको खरीफ से संबंधित प्रमुख गाइडलाइन की जानकारी प्रदान की गई।

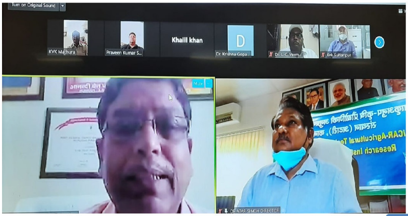

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

दि. 15–17 जून 2021 को जोन–III के कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आनलाइन आयोजन हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार), ने भाकृअनुप–अटारी के प्रकाशनों का विमोचन किया, और कहा कि बीज उत्पादन में देश में उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र सबसे आगे हैं। बीज उत्पादन और पौध सामग्री का उत्पादन कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिये काफी महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण युवाओं को कृषि में आकर्षित करने के लिये आर्या परियोजना काफी लाभदायक और सफल सिद्ध हो रही है।

विशिष्ट अतिथि डा. बिजेन्द्र सिंह, कुलपति, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, अयोध्या ने कोविड अवधि में भी बजट समय से मिलने के लिये एवं कार्य सुचारू रूप से चलने के लिये अटारी निदेशक को धन्यवाद दिया।

विशिष्ट अतिथि डा. डी.आर. सिंह, कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, कानपुर ने बताया कि कानपुर देहात जिले का अनूपपुर गांव जो कि कुपोषित है उसमें बायोफोर्टिफाइड प्रजातियों को बढ़ावा देकर कृषि विज्ञान केन्द्र दिलीपनगर कानपुर देहात कार्य कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. मित्तल कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, मेरठ ने कहा कि कृषि को व्यवसाय के रूप में प्रोत्साहित करके 'बिजनेस ओरिएन्टल' बनाना चाहिए। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए और बेहतर मार्केटिंग की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि डा. यू.एस. गौतम, कुलपति, बांदा कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, बांदा ने कहा कि बुन्देलखण्ड में पानी की कमी है इसके बावजूद कृषि विज्ञान केन्द्रों ने गत कई वर्षो से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है, साथ ही उन्होंने केवीके में कार्यरत तकनीकी एवं अन्य स्टाफ के लिए प्रमोशन पालिसी लागु करने की सलाह दी।

अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से चल रही राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का और उनकी प्रगति का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दिया।

कार्यशाला में जोन तृतीय के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, सहायक महानिदेशकों, उ0प्र0 के कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसारगणों के साथ ही अन्य वैज्ञानिक कार्यशाला में आनलाइन उपस्थित रहे।

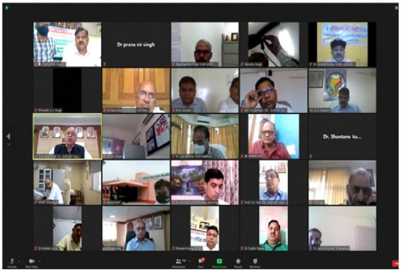

वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये कार्यशाला

दि. 26 जून 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा उ.प्र. के कृषि विज्ञान केन्द्रों की आगामी 6 माह की गतिविधियों की तैयारी विशेषकर खरीफ ऋतु की बुवाई की स्थिति, रबी की तैयारी, प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की स्थिति, बजट की स्थिति, विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य, प्रशिक्षणों, प्रयुक्त तकनीकों संबंधित दिशा निर्देश देने के लिये आनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर ने की।

अटारी निदेशक ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र समस्त इन्फारमेशन समय पर उपलब्ध करायें जिससे हेडक्वार्टर को समय पर जानकारी पहुँचाई जा सके। साथ ही समस्त केवीके एवं निदेशक प्रसार यू.सी. एवं ए.यू.सी. समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जिससे समय पर बजट उपलब्ध कराया जा सके।

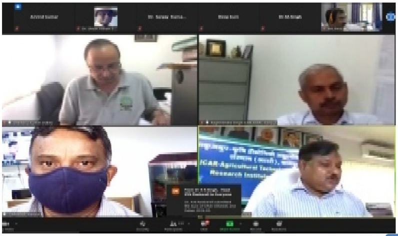

संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार

दि. 29 जून 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा बताया गया कि संरक्षित कृषि के अन्तर्गत ग्रीन हाउस व पालीहाउस आदि के माध्यम से घटती जमीन एवं वातावरण के बदलते परिवेश में सब्जी का उत्पादन व रोपण सामग्री आदि का उत्पादन किया जाता है। केवीके अपने स्तर पर पालीहाउस लेकर आयें जिससे कृषकों को काफी लाभ होगा।

प्रधान वैज्ञानिक डा. राघवेन्द्र सिंह द्वारा संरक्षित कृषि का परिचय व सफलता की कहानी विषय पर प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान वैज्ञानिक अवनी कुमार, भाकृअनुप–आई.ए.आर. आई, पूसा नई दिल्ली, द्वारा 'संरक्षित कृषि की समस्यायें व संभावनायें' विषय पर प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान वैज्ञानिक डा. अनन्त बहादुर द्वारा 'संरक्षित कृषि के लिये ड्रिप सिंचाई तकनीक' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रधान वैज्ञानिक डा. हरे कृष्णा द्वारा 'शहरी सब्जियों की खेती–शहरों में खाद्य और पोषण संबंधी प्रतिभूतियों को बढ़ाना' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

वेबिनार में प्रस्तुतिकरण के बाद प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

वेबिनार में भाकृअनुप–अटारी कानपुर, पटना, लुधियाना, जबलपुर व जोधपुर जोन के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, व कृषकों ने प्रतिभाग किया। अन्त में प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.के. दुबे द्वारा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

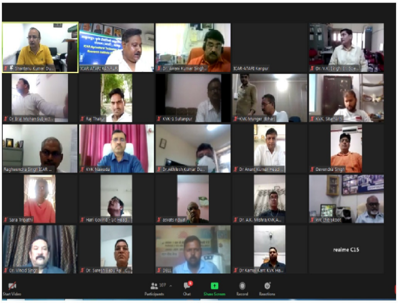

त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (अप्रैल–जून, 2021)

Targets achieved (April - June 2021) in Ist Quarter (2021-22)
ATARI: ICAR-ATARI, Kanpur (Zone-III)

S. No.	Activities	Target achieved (1st Quarter) (April-June 2021)
1	On- Farm Trials Conducted (**Nos**.)	39
2.	Frontline Demonstrations Conducted (**Nos.**)	3439
3.	No. of Farmers and farm women Trained (**Nos.**)	3084
4.	No. of Extension Personnel Trained (**Nos**.)	236
5.	Production of Seeds (in Quintals)	4523.65
6.	Production of Planting materials(in lakhs)	0.87
7.	Production of livestock strains and fingerlings (in lakhs)	0.47
8.	Soil and water samples tested (Nos.)	706
9.	No. of Farmers provided mobile agro-advisory (in lakhs)	6.45
10.	No. of Farmers and other stakeholder Benefitted through various Extension Activities (in lakhs)	0.20

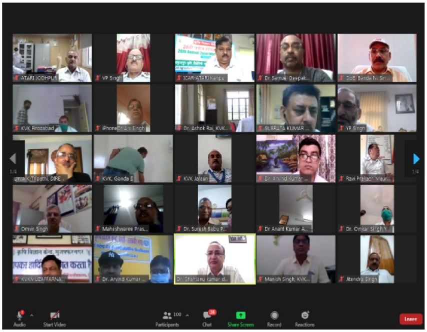

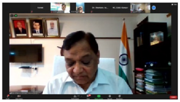
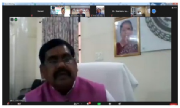

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान

ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute (ATARI)

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर (उ.प्र.)–208002

Phone: *0512-2533560, 2550927, 2554647* ***email:*** *zpdicarkanpur@gmail.com*

web*: atarik.res.in*

संकलनकर्ता एवं संपादक:

अतर सिंह

साधना पाण्डेय

शान्तनु कुमार दुबे

राघवेन्द्र सिंह

एस.एन. येमुल

सहयोगी: फरीद अहमद, स्वतंत्र प्रताप सिंह, निखिल विक्रम सिंह

प्रकाशक: निदेशक, भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर